रोल नं. – .....

प्रमाणपत्र नियमित परीक्षा 2020–21

कूट क्र.– यश – 486

विषय – ज्योतिर्विज्ञान

प्रश्नपत्र – कुण्डली निर्माण

अधिकतम समय–3 घण्टे **अधिकतम अंक– 70**

उत्तीर्णांक– 28

आवश्यक निर्देशः–
1. प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है।
2. प्रत्येक खण्ड का प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है।
3. प्रत्येक खण्ड के सामने प्रश्नों के अंक दर्शाये गए हैं।
4. खण्ड ''ब'' एवं ''स'' में प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

खण्ड–अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न) **कुल अंक** 10x1=10

प्रश्न–1 दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखें –

i. एक घटी में मिनट होते हैं –

(अ) 12

(ब) 24

(स) 36

(द) 48

ii. भयात का दूसरा नाम है –

(अ) गतर्क्ष

(ब) सर्वक्ष

(स) ईष्टकाल

(द) इनमें से कोई नहीं

iii. राहु की गति सदैव रहती है –

(अ) 1/11 (ब) 2/11

(स) 3/11 (द) 4/11

iv. कौनसा गृह कभी वक्री नहीं होता है –

(अ) सूर्य (ब) मंगल

(स) बुध (द) गुरू

v. जन्म पत्री (लग्न) में कुल भावों की संख्या है –

(अ) 3 (ब) 6

(स) 9 (द) 12

vi. अरिष्ट विचार किस ग्रह से देखा जाता है –

(अ) सूर्य

(ब) चंद्र

(स) मंगल

(द) शनि

vii. निम्न में गण्डान्त नक्षत्र है –

(अ) रोहिणी (ब) मधा

(स) श्रवण (द) स्वाति

viii. राहु दशा का समय (विंशोत्तरी दशा के अंतर्गत) है –

(अ) 16 वर्ष (ब) 17 वर्ष

(स) 18 वर्ष (द) 20 वर्ष

ix. किन भावों में मंगल होने पर कुण्डली मंगली होती है –

(अ) 1,4,7,10,12 (ब) 1,3,6,9,12

(स) 1,4,8,10,12 (द) 1,4,7,8,12

x. जन्म राशि या नाम राशि से सूर्य गोचर में किन–किन भावों में शुभ फल देता है –

(अ) 1,3,5,7 (ब) 3,6,9,12

(स) 3,6,10,11 (द) 2,4,6,8

खण्ड–ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **कुल अंक 5x3=15**

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए –

प्रश्न–2 इष्टकाल को परिभाषित कीजिए।

अथवा

स्थानीय मान ज्ञात करने की विधि बताओ।

प्रश्न–3 धन चालन का क्या तात्पर्य है ?

अथवा

वक्री ग्रह को परिभाषित करे।

प्रश्न–4 अस्ष्टि भंग को समझाइये।

अथवा

अस्ष्टि विचार चन्द्र की स्थिति के अनुसार बताओ।

प्रश्न–5 गण्डान्त नक्षत्र के नाम एवं फल बताओ।

अथवा

भोग्य दशा वर्ष से आप क्या समझते हो ?

प्रश्न–6 मंगल का गोचर राशि के अनुसार किन–किन भावों में शुभ फल देता है ?

अथवा

मंगली कुण्डली का परिहार किन–किन ग्रहों से होता है ? बताओ।

खण्ड–स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **कुल अंक 5x9=45**

निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए –

प्रश्न–7 भयात–भभोग विधि उदाहरण सहित समझाइये।

अथवा

ईष्टकाल साधन के नियम विस्तार से समझाओ।

प्रश्न–8 ग्रहों को स्पष्ट करने की विधि बताइयें एवं किसी एक ग्रह के काल्पनिक आंकड़े मानकर स्पष्ट करें।

अथवा

चन्द्र स्पष्ट की विधि समझाइये उदाहरण देकर।

प्रश्न–9 जन्म पत्री लेखन विधि स्पष्ट करें।

अथवा

लग्न साधन की विधि उदाहरण सहित समझाइये।

प्रश्न–10 विंशोत्तरी दशा ज्ञात करने की विधि बताइये।

अथवा

विंशोत्तरी दशा से फल कथन उदाहरण सहित बताओ।

प्रश्न–11 जन्म कुण्डली में मंगल दोष विचार एवं परिहार को विस्तार से समझाए।

अथवा

जन्म पत्रिका के फलकथन में गोचर के महत्व या उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालिये।

––00––